# राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय

**जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर – 302015**

टेलीफोन नं. 0141–2706830, 2706032 फेक्स नं. 0141–2707679,ई–मेलः–rajscoutguide@yahoo.com

**क्रमांकः प. ( )रा.मु./2018–19/**251 **दिनांकः** – 6/4/2018

सहायक राज्य संगठन आयुक्त,
मण्डल मुख्यालय,
समस्त।

विषय :– ग्रामीण रोवर/रेंजर भारत दर्शन – ऋषिकेश, हरिद्वार

महोदय,

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा राज्य स्तर पर ग्रामीण रोवर/रेंजर भारत दर्शन कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 24 से 28 मई, 2018 तक ऋषिकेश, हरिद्वार में किया जा रहा है। विस्तृत सूचनाएं नियमानुसार है :–

1. **गतिविधि का नाम** – ग्रामीण रोवर/रेंजर भारत दर्शन – ऋषिकेश, हरिद्वार (स्थान सम्बधित विस्तृत जानकारी अन्तिम सूचना पत्र मे प्रषित की जायेगी।)

2. **तिथियाँ** – दिनांक 24 से 28 मई, 2018 तक।

3. **पंजीकरण शुल्क** – 100 रू. प्रति सम्भागी। जो शिविर में पहुँचते ही जमा करना होगा।

4. **आवेदन पत्र** – सभी सम्भागियों को संलग्न निर्धारित प्रपत्र में पंजीकरण शुल्क सहित अपना आवेदन पत्र दिनांक 25 अप्रेल, 2018 तक मण्डल मुख्यालय के माध्यम से राज्य मुख्यालय पर प्राप्त होना आवश्यक है। देरी से प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र स्वीकार्य नही होगे।

5. **आवंटित कोटा** – प्रति मण्डल 5 ग्रामीण रोवर एवं 5 ग्रामीण रेंजर की संख्या निर्धारित की जाती है। किसी मण्डल से निर्धारित तिथि तक आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होने की स्थिति में उसका कोटा दूसरे मण्डल को आवंटित कर दिया जावेगा।

6. **योग्यता** – 1. पंजीकृत ग्रामीण रोवर क्रू/रेंजर टीम के सक्रिय सदस्य हो।
   2. जिनकी आयु 16 से 25 वर्ष हो।
   3. शारीरिक रूप से पूर्ण स्वस्थ हो तथा शिविर में होने वाले शारीरिक श्रम को वहन करने की क्षमता रखते हों।

7. **गणवेश** – **अ. ग्रामीण रोवर्स के लिए** –सफेद कमीज (जिस पर दो ढक्कनदार जेब, प्रवेश बैज, विश्व बन्धुत्व बैज एवं शोल्डर स्टेप लगे हों) केसरिया साफा, देशी जूतियां, मेरून रंग का कमरबंध, मेरून स्कार्फ, वोगल आदि।

   **ब. ग्रामीण रेंजर्स के लिए** – गुलाबी लहंगा, गुलाबी ओढनी, गुलाबी ब्लाउज (रेंजर प्रवेश बैज़ लगा हो), मेरून कमरबंध, मेरून स्कार्फ, वोगल, देशी जूतियां आदि। **इसके अतिरिक्त अन्य गणवेश स्वीकार्य नहीं होगी।**

8. **आवश्यक सामग्री** – सभी सम्भागियों को मौसम के अनुसार बिस्तर, बदलने के कपड़े, दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री, स्वयं के खाने–पीने के बर्तन, तेल, कांच, कंघा, साबुन, मंजन, आदि साथ लाना आवश्यक है। इसी के साथ शिविर ज्वाल कार्यक्रम हेतु अपनी स्थानीय संस्कृति की वेश भूषा, वाद्ययन्त्र, लोक गीत एवं लोक नृत्य की तैयारी करके आवें।